www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 94 | जौनपुर, शनिवार, 21 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तेजस्वी के सवालों से गरमाई बिहार की राजनीति

पटना, (एजेंसी) ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे कच्ची दरगाह–बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन करेंगे, जिसका नाम बिहार सरकार ने श्नीतीश सेतुश रखा है। प्रधानमंत्री के दौरे से एक दिन पहले शुक्रवार की शाम को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फेसबुक लाइव के जरिए पुल के नामकरण और निर्माण में केंद्र सरकार की भूमिका को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इस पुल के निर्माण का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है, जबकि इसका निर्माण महागठबंधन सरकार के कार्यकाल में शुरू हुआ था। तेजस्वी यादव ने कहा कि वर्ष 2016 में जब वे उपमुख्यमंत्री थे और पथ निर्माण विभाग उनके पास था, तब 31 जनवरी को तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद प्रमुख लालू यादव की मौजूदगी में उनकी अध्यक्षता में इस पुल के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया था। उन्होंने अपने फेसबुक लाइव में उस समय के सरकारी विज्ञापन और तस्वीरें दिखाते हुए कहा कि पुल के निर्माण की शुरुआत महागठबंधन सरकार ने की थी। वर्ष 2022 में दोबारा सरकार बनने के बाद उन्होंने परियोजना की लगातार समीक्षा की और काम में तेजी लाने का प्रयास किया। पुल के नामकरण पर सवाल उठाते हुए तेजस्वी ने कहा कि शुरुआत में इस पुल का नाम स्वतंत्रता सेनानी अक्षयवट राय के नाम पर रखने का प्रस्ताव था।

डाकुओं की तरह आए और चोरों की तरह चले गए – सोनम वांगचुक

लेह, (एजेंसी)। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और पर्यावरणविद सोनम वांगचुक ने दावा किया है कि लेह स्थित उनके घर के बाहर तैनात पुलिस और सुरक्षा बलों को हटा लिया गया है। उन्होंने इस फैसले को अपने घर में कथित नजरबंदी के खिलाफ चल रही कानूनी लड़ाई में न्याय की जीत बताया है। वांगचुक ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि सुरक्षा बल उनके घर के बाहर डाकुओं की तरह आए थे और अब चोरों की तरह चले गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए लिखा कि उनके लिए आज दिवाली जैसा दिन है। वांगचुक के मुताबिक, यह सच्चाई की झूठ पर और अदालतों के न्याय की कार्यपालिका की मनमानी पर जीत है। उन्होंने कहा कि उनके घर के बाहर सुरक्षा बलों की तैनाती हटाने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब उन्होंने लेह में हाईकोर्ट की बेंच के सामने अपने घर में नजरबंद किए जाने का मुद्दा उठाया था। हालांकि, प्रशासन ने उनके नजरबंद होने के आरोपों को खारिज किया है।सोनम वांगचुक ने सुरक्षा बलों की तैनाती हटाए जाने के बाद प्रशासन के रुख पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है कि एक तरफ उनके घर के बाहर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती हटाई जा रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन यह दावा कर रहा है ।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन, उत्तर-दक्षिण बिहार के बीच आवागमन होगा आसान



बिहार, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को बिहार के वैशाली जिले में पहुंचकर गंगा नदी पर करीब 4,280 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कच्ची दरगाह–बिदुपुर छह–लेन पुल 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने रिबन काटकर इस पुल को राष्ट्र को समर्पित किया। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी सहित कई नेता उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान पुल के नीचे बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने भी हाथ में गमछा लेकर उसे लहराया और वहां खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। करीब 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्स्ट्राडोज्ड केबल–स्टे ब्रिज गंगा नदी पर बना है। 19.7 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 9.7 किलोमीटर लंबा मुख्य पुल और 10 किलोमीटर लंबी संपर्क सड़कें शामिल हैं। यह पुल पटना जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–22 पर स्थित कच्ची दरगाह को वैशाली जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग–322 पर स्थित बिदुपुर से जोड़ता है। नीतीश सेतु के चालू होने से गंगा नदी पर आवागमन के लिए एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध होगा। इससे महात्मा गांधी सेतु और जेपी सेतु पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच यात्रा का समय भी घटेगा। इस पुल से विशेष रूप से राघोपुर दियारा के लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पटना तक उनकी पहुंच आसान होगी और स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा सहित अन्य जरूरी सुविधाओं का लाभ लेने में सहूलियत होगी। यह परियोजना कृषि उत्पादों और औद्योगिक वस्तुओं के परिवहन को भी सुगम बनाएगी। इससे किसानों और कारोबारियों को बाजारों तक पहुंचने में सुविधा होगी तथा क्षेत्र में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सड़क संपर्क बेहतर होने से बिहार के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

बुल्गारिया की विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की मुलाकात

बुल्गारिया, (एजेंसी)। बुल्गारिया गणराज्य की विदेश मंत्री वेलिस्लावा पेत्रोवा–चामोवा ने शुक्रवार, 20 नवंबर 2026 को राष्ट्रपति भवन में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति भवन में विदेश मंत्री वेलिस्लावा पेत्रोवा–चामोवा और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि 17 वर्षों में किसी बल्गेरियाई विदेश मंत्री की यह पहली भारत यात्रा दोनों देशों की साझेदारी को नई गति प्रदान करेगी। राष्ट्रपति मुर्मु ने भारत और बुल्गारिया के बीच व्यापार एवं निवेश, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष, मोबिलिटी, सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत–यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते के कार्यान्वयन से व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दोनों देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के नए अवसर उपलब्ध होंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारत के प्रति बुल्गारिया के निरंतर समर्थन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता सहित विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की भी सराहना की।



9 महीने में 1 करोड़ से ज्यादा बच्चियों को लगा एचपीवी टीका, सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ देश की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के अपने प्रयासों में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान' के तहत, इसके शुरू होने के नौ महीने से भी कम समय में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन की 1 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। यह उपलब्धि किशोरियों को एचपीवी संक्रमण से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो आगे चलकर सर्वाइकल कैंसर का कारण बन सकता है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह राष्ट्रव्यापी अभियान, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 14 वर्ष की किशोरियों को माता–पिता की सहमति से मुफ्त, सुरक्षित और स्वैच्छिक सिंगल–डोज एचपीवी टीकाकरण किया जाता है। इस अभियान तहत लगभग 1.2 करोड़ बच्चियों का एचपीवी टीकाकरण का वार्षिक लक्ष्य था। इसके मुकाबले लगभग 87 प्रतिशत वैक्सीनेशन कर दिया गया है। नौ महीने के अंदर 1 करोड़ से भी ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किए जाने के नौ महीने से भी कम समय में राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान ने बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने में यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मिजोरम, मध्य प्रदेश और बिहार को 100 प्रतिशत कवरेज हासिल करने के लिए बधाई, जिसमें 12 राज्यों ने 80 प्रतिशत को पार कर लिया है।



हरिद्वार के चंडी घाट पर पंचतत्व में विलीन हुईं सीएम योगी की मां, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

हरिद्वार, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी शनिवार को हरिद्वार के चंडी घाट पर पंचतत्व में विलीन हो गईं। उनके छोटे बेटे महेंद्र मोहन बिष्ट ने वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति–रिवाजों के बीच उन्हें मुखाग्नि दी। मां को अंतिम विदाई देने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो उठे। उन्होंने मां की अर्थी को कंधा दिया, चिता की परिक्रमा की और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। सावित्री देवी की अंतिम यात्रा उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले स्थित उनके पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार के लिए रवाना हुई थी। मुख्यमंत्री योगी भी मां के पार्थिव शरीर के साथ हरिद्वार पहुंचे।



अंतिम यात्रा के दौरान उन्होंने घर से अर्थी को कंधा दिया और एंबुलेंस तक पहुंचाया। हरिद्वार के चंडी घाट पर भी उन्होंने अर्थी को कंधा देकर अपनी मां के प्रति अंतिम कर्तव्य निभाया। इस दौरान वह कई बार रुमाल से अपने आंसू पोंछते नजर आए। मां के निधन के बाद मुख्यमंत्री योगी ने उनके अंतिम दर्शन किए और पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वह कुछ देर तक मां के पास खड़े रहे और उन्हें एकटक निहारते रहे। बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी रातभर मां के पार्थिव शरीर के पास बैठे रहे। इस दौरान उन्होंने अन्न–जल भी ग्रहण नहीं किया। उन्होंने परिजनों और मां की देखभाल करने वालों से उनके अंतिम समय के बारे में भी जानकारी ली। चंडी घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक चेहरे मौजूद रहे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और संजय निषाद सहित 50 से अधिक विशिष्ट लोग अंतिम विदाई में शामिल हुए। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने भी घाट पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विभिन्न अखाड़ों के संत–महात्माओं और साधु–संतों की भी बड़ी मौजूदगी रही। वहीं, 13 अखाड़ों के आचार्य और श्रीमहंतों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अंतिम संस्कार की धार्मिक रस्में संपन्न कराईं।

डीयू दीक्षांत समारोह में पीयूष गोयल ने दिया सफलता का मंत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्नातक छात्रों से बड़ा सोचने, सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया, उन्होंने कहा कि नकारात्मक सोच कभी भी देश की प्रगति में मदद नहीं कर सकती। विश्वविद्यालय के 103वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि छात्रों को दी गई डिग्रियां देश की सेवा करने और इसकी एकता और अखंडता को बनाए रखने की जिम्मेदारी के साथ आती हैं। उन्होंने स्नातकों से महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने, इतिहास से सीखने और एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया।उन्होंने कहा, श्आज, आप एक डिग्री के साथ सशक्त होकर डीयू से जा रहे हैं। यह डिग्री जो शक्ति प्रदान करती है, उसके साथ–साथ आपको अपने साथ कर्तव्य और जिम्मेदारी की भावना भी रखनी चाहिए।श 2047 तक भारत के विकसित राष्ट्र बनने की महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए गोयल ने कहा कि देश को सम्मान और गौरव का स्रोत बनने के लिए सामूहिक रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने पारंपरिक दीक्षांत गाउन को श्अंगवस्त्रश से बदलने के विश्वविद्यालय के फैसले की भी सराहना की और कहा कि कोई भी राष्ट्र अपनी संस्कृति और इतिहास का सम्मान किए बिना विकास हासिल नहीं कर सकता है।समारोह की अध्यक्षता करते हुए, डीयू के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय हित को हर अन्य विचार से पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए। हमारा अस्तित्व आपकी वजह से है। यह आप जैसे प्रतिभाशाली छात्र ही हैं जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय को वह बनाया है जो वह आज है,श्श सिंह ने संस्थान के विकास में छात्रों के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा। "कोई भी विचार राष्ट्र से बड़ा नहीं है। कोई भी अवधारणा जो राष्ट्रीय हित की रक्षा करने में विफल हो, उसे बिना किसी देरी के छोड़ दिया जाना चाहिए, "उन्होंने स्नातकों से देशभक्ति बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा। कुलपति ने उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर भी प्रकाश डाला और इसे बदलते भारत का प्रतिबिंब बताया। समारोह के दौरान, गोयल ने रिमोट–कंट्रोल सिस्टम का उपयोग करके 1,72,668 छात्रों को डिजिटल डिग्री जारी की।



सियांग बांध पर अमित शाह का बड़ा आश्वासन, बातचीत से दूर होंगी चिंताएं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश की प्रस्तावित 11,200 मेगावाट क्षमता वाली सियांग बांध परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों की चिंताओं पर महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सियांग घाटी के निवासियों की आशंकाओं और आपत्तियों का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जाएगा। शाह ने स्पष्ट किया कि परियोजना को आगे बढ़ाते समय क्षेत्र की संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचने दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू–कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को लेकर भी बड़ा दावा किया। गृह मंत्री ने कहा कि 35 वर्षों से अधिक समय तक अशांति और हिंसा का सामना करने वाले कश्मीर में अब कोई भी स्थानीय युवा आतंकवाद में शामिल नहीं है। उन्होंने इस बदलाव को केवल आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई का परिणाम नहीं, बल्कि भेदभाव और अलगाव की भावना समाप्त करने की दिशा में किए गए प्रयासों से भी जोड़ा।अरुणाचल प्रदेश की सियांग घाटी में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना को लेकर स्थानीय निवासियों की चिंताएं सामने आती रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चिंताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने के पक्ष में है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि परियोजना से जुड़े मुद्दों पर स्थानीय लोगों की बात सुनी जाएगी। गृह मंत्री के बयान में क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के संरक्षण पर विशेष जोर रहा।उन्होंने स्पष्ट किया ।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का लखनऊ दो दिवसीय दौरा – स्किल दीक्षा और विश्वविद्यालय समारोह में होंगे शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह 21 और 22 नवंबर को दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचेंगे. इस दौरान वह शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे. रक्षा मंत्री 21 नवंबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 5वें स्किल दीक्षांत समारोह एवं राष्ट्रीय टॉपर्स सम्मान समारोह में शिरकत करेंगे. वहीं, 22 नवंबर को बाबू बनारसी दास (बीबीडी) विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने रक्षा मंत्री के दौरे का कार्यक्रम साझा किया है. इसके मुताबिक, राजनाथ सिंह 21 नवंबर को दोपहर 3:45 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे. रक्षा मंत्री एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से शाम 4:10 बजे 5 कालिदास मार्ग स्थित अपने आवास पहुंचेंगे. इसके बाद शाम 4:55 बजे आवास से रवाना होकर 5:10 बजे गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेंगे. यहां शाम 5:30 बजे से 6:45 बजे तक आयोजित 5वें स्किल दीक्षांत समारोह एवं राष्ट्रीय टॉपर्स के सम्मान समारोह में शामिल होंगे. कार्यक्रम समाप्त होने के बाद शाम 6:55 बजे प्रतिष्ठान से रवाना होकर 7:05 बजे अपने आवास पहुंचेंगे. इसके बाद वह लखनऊ में ही रात्रि विश्राम करेंगे. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 22 नवंबर, रविवार को सुबह 11:15 बजे 5 कालिदास मार्ग स्थित आवास से रवाना होंगे. वह सुबह 11:30 बजे बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय पहुंचेंगे. यहां सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक आयोजित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. इसके बाद दोपहर 12:45 बजे विश्वविद्यालय से रवाना होकर 1 बजे एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचेंगे।



भारत–बुल्गारिया संबंधों को मिली नई गति, रोडमैप से मिलेगा नया आयाम – विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत और बुल्गारिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर जोर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी में बुल्गारिया की अपनी समकक्ष वेलिस्लावा पेत्रोवा–चामोवा के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), अंतरिक्ष, पर्यटन और लोगों की आवाजाही जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। विदेश मंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से संबोधन का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने भारत दौरे पर आईं बुल्गारिया की मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा, "लंबे अंतराल के बाद हो रही यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों की प्रगति का आकलन करने और भविष्य के सहयोग की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है।" इस दौरान विदेश मंत्री ने काला सागर में जहाजों पर हुए हमलों का जिक्र भी किया। जयशंकर ने काला सागर में हमले का शिकार हुए जहाजों पर सवार भारतीय नाविकों की स्वदेश वापसी में बुल्गारिया सरकार की मदद के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, "हमले में घायल हुए कुछ नाविकों की देखभाल में भी बुल्गारिया ने सहयोग किया।" विदेश मंत्री ने जून में सोफिया की अपनी यात्रा का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा, "इस दौरे से दोनों देशों के संबंधों को नई ऊर्जा और गति मिली थी। अब हमारे पास द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति की समीक्षा करने का अवसर है।" उन्होंने कहा, "दोनों देशों की टीमों ने सहयोग का एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है, जिसे बैठक के दौरान मंजूरी दी जाएगी। इससे आने वाले समय में दोनों देशों की गतिविधियों और सहयोग के क्षेत्रों को स्पष्ट दिशा मिलेगी।" जयशंकर ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने इस प्रक्रिया में बुल्गारिया के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि भारत–ईयू मुक्त व्यापार समझौता जल्द लागू होने की उम्मीद है,।



संपादकीय

साइड–लाइन में समिट

अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी है। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं तो कुछ घंटे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। आखिरकार क्वाड्रैंगुलर सिक्युरिटी डॉयलॉग (क्वॉड) का शिखर सम्मेलन होने की संभावना उज्ज्वल हुई। लेकिन ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि आखिरकार डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने फिर इस मंच की अहमियत समझ ली हो। अभी भी ट्रंप ने क्वॉड शिखर सम्मेलन के लिए अलग से समय निकालने की जरूरत नहीं समझी। वे आसियान शिखर सम्मेलन में भाग लेने फिलीपीन्स आए हैं और उसके बाद एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सेदारी के लिए चीन के शेनझेन जाएंगे। इस बीच मनीला में कुछ घंटे वे क्वॉड के लिए भी निकाल लेंगे। इस कार्यक्रम सूची से बतौर राष्ट्रपति दूसरे कार्यकाल में ट्रंप की प्राथमिकताओं का अंदाजा लग जाता है। फिलपीन्स की राजधानी में क्वॉड की मंगलवार को प्रस्तावित बैठक के जिस एजेंडे की चर्चा मीडिया में है, वह भी अमेरिकी निगाह में इस मंच के महत्त्व को जाहिर करता है। बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और जापान एवं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ क्वॉड शिखर बैठक में रेयरअर्थ सहित अन्य महत्त्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला निर्मित करने, समुद्री सुरक्षा एवं व्यापारिक जहाजों के जल–मार्ग को सुरक्षित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। लेकिन इसमें चीन से संबंधित विवाद गायब हैं, जबकि क्वॉड जब बना था, तो उसका मकसद चीन को घेरना ही माना जाता था। दशक भर पहले वह वो दौर था, जब अमेरिका ने चीन की ताकत को नियंत्रित करने के मकसद के तहत ही इंडो–पैसिफिक की रणनीति अपनाई थी। अब वह एशिया प्रशांत की शब्दावली की तरफ लौट चुका है। बल्कि उससे भी आगे जाते हुए ट्रंप शी जिनपिंग के अमेरिका और चीन के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक स्थिरता के संबंधों का फॉर्मूला स्वीकार कर चुके हैं। ऐसे में क्वॉड की उपयोगिता पर स्वाभाविक प्रश्न–चिह्न खड़े हुए हैं। फिलहाल, जब राष्ट्रपति बनने के पौने दो साल बाद जब ट्रंप ने क्वॉड के लिए कुछ घंटे निकाले हैं, तो उनके प्रशासन ने आश्वासन देने की कोशिश की है कि क्वॉड लाइफ– सपोर्ट पर नहीं है, और इस मंच के तहत अपने सहयोगी देशों के साथ अमेरिका ने विचार–विमर्श करना जारी रखा है। लेकिन सवाल है कि उन चर्चाओं के आखिर दिशा क्या निकली है?

पूरी तस्वीर देखने की बजाय एक फोटो पर अटक जाते हैं राहुल गांधी

नीरज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की एक साथ बैठे हुए तस्वीर साझा करते हुए टिप्पणी की कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती तो भारत के प्रधानमंत्री भी इस मेज पर बैठे होते। राहुल गांधी को शायद यह याद दिलाने की जरूरत है कि जिस तस्वीर को दिखाकर वह भारत की कूटनीतिक हैसियत पर सवाल उठा रहे हैं, उसी तरह की तस्वीर साल भर के भीतर दो बार देखने को मिली है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीनी और रूसी राष्ट्रपति के साथ मुलाकात हुई और उस मुलाकात की तस्वीरें पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बनीं थीं। मोदी, पुतिन और जिनपिंग की साथ वाली तस्वीरों पर खुद अमेरिकी राष्ट्रपति तक ने प्रतिक्रिया दी थी। राहुल गांधी को याद होना चाहिए कि अगस्त 2025 में चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी, पुतिन और जिनपिंग एक साथ अनौपचारिक बातचीत करते दिखाई दिए थे। इसके बाद सितंबर 2026 में भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी तीनों नेता एक ही अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौजूद थे। यानी एक साल के भीतर दो महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में मोदी, पुतिन और जिनपिंग की एक साथ मौजूदगी देखने को मिली थी। इतना ही नहीं, पुतिन और जिनपिंग के साथ ट्रंप की त्रिपक्षीय मुलाकात से महज दो दिन पहले यानि 17 नवंबर को मनीला में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ क्वॉड शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। ऐसे में राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि जिस ट्रंप के साथ पुतिन और जिनपिंग की तस्वीर दिखाकर वह भारत को वैश्विक कूटनीति से बाहर बताने की कोशिश कर रहे हैं, वही ट्रंप उससे ठीक पहले मोदी के साथ एक महत्वपूर्ण रणनीतिक मंच पर मौजूद थे। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को केवल एक तस्वीर के आधार पर समझने की कोशिश करने के बजाय इन मुलाकातों और वैश्विक मंचों पर भारत की निरंतर मौजूदगी को भी देखना चाहिए। साथ ही राहुल गांधी को एक्स पर की गयी अपनी पोस्ट पर सामने आ रही प्रतिक्रियाओं पर भी गौर करना चाहिए। यूजर्स उनसे पूछ रहे हैं कि कांग्रेस के सत्ता में होने से भारत को चीन में हुई बैठक में जगह मिलने की क्या गारंटी थी? जनता पूछ रही है कि क्या केवल कांग्रेस की सरकार होने से अमेरिका, रूस और चीन भारत को अपने बीच बैठा लेते? देखा जाये तो राहुल गांधी की राजनीति एक तस्वीर के इर्द–गिर्द घूमती दिखाई दे रही है, जबकि भारत की वैश्विक हैसियत का आकलन करने के लिए पिछले वर्षों में हुए कूटनीतिक बदलावों को देखना जरूरी है। आज भारत की पहचान केवल एक बड़े बाजार या विकासशील अर्थव्यवस्था की नहीं है, बल्कि वह दुनिया की प्रमुख शक्तियों के साथ अपने संबंधों को स्वतंत्र रूप से निर्धारित करने वाला देश बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अलग–अलग देशों से मिले 35 अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी इसी बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। अमेरिका, रूस, फ्रांस, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, भूटान, ब्राजील, नाइजीरिया और कई अन्य देशों ने उन्हें अपने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किए हैं। बार–बार भारत की विदेश नीति पर सवाल उठा रहे राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि भारतीय विदेश नीति की सफलता का ताजा उदाहरण सितंबर 2026 में नई दिल्ली में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में सदस्य देशों ने नई दिल्ली घोषणा–पत्र स्वीकार किया। सम्मेलन का विषय था– लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण। ऐसे समय में जब दुनिया व्यापारिक तनाव, युद्ध, ऊर्जा संकट और बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का सामना कर रही है, भारत ने ब्रिक्स के मंच पर विकासशील देशों के हितों, आर्थिक सहयोग और वैश्विक संस्थाओं में सुधार को प्रमुखता दी। इस सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि भारत ने ब्रिक्स को किसी एक देश या शक्ति के विरुद्ध खड़े होने वाले संगठन के बजाय सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत करने वाले मंच के रूप में प्रस्तुत किया। सम्मेलन के दौरान 30 शहरों में 400 से अधिक बैठकें और कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारत ने समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन सहायता नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव भी रखा। यह केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी नहीं थी, बल्कि वैश्विक एजेंडे में अपनी प्राथमिकताओं को शामिल कराने का अवसर भी था। यही नहीं, फरवरी 2026 में नई दिल्ली में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिखर सम्मेलन ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को एक और नई दिशा दी। इस सम्मेलन में 92 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने नई दिल्ली घोषणा का समर्थन किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत ने यह दृष्टिकोण रखा कि नई तकनीक का लाभ केवल कुछ विकसित देशों और बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि विकासशील देशों को भी इसका समान अवसर मिलना चाहिए। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में प्रमुखता देना रहा है। लंबे समय तक दुनिया की आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था पर अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों का प्रभाव रहा। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों



की समस्याएं अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सकीं।भारत ने इस स्थिति को बदलने की पहल की। 2023 में जी–20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को संगठन का स्थायी सदस्य बनाने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे अफ्रीका के 55 देशों को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक मंचों में से एक पर प्रतिनिधित्व मिला। साथ ही भारत ने शिखर सम्मेलनों के जरिए विकासशील देशों की चिंताओं को दुनिया के सामने रखा। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा, कर्ज, स्वास्थ्य और तकनीकी असमानता जैसे मुद्दों पर इन देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय चर्चा का हिस्सा बनाया। देखा जाये तो भारत की यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह स्वयं विकासशील देश रहा है और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की चुनौतियों को समझता है। भारत एक तरफ विकसित देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ा रहा है, तो दूसरी तरफ अफ्रीका और एशिया के गरीब तथा विकासशील देशों के साथ सहयोग को भी प्राथमिकता दे रहा है। साथ ही वैश्विक राजनीति में विश्वसनीयता का सवाल भी बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिका के पास विशाल सैन्य शक्ति और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन उसकी विदेश नीति में राजनीतिक नेतृत्व बदलने के साथ कई बार बड़े बदलाव दिखाई देते हैं। रूस की सैन्य और ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देशों के साथ उसका टकराव बढ़ा है। चीन आर्थिक और सैन्य शक्ति के रूप में तेजी से आगे बढ़ा है, लेकिन दक्षिण चीन सागर और अपने पड़ोसी देशों के साथ क्षेत्रीय विवादों के कारण उसकी रणनीतिक स्वीकार्यता को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारत की स्थिति इन तीनों से अलग है।

यूपी की मतदाता सूची का क्या होगा

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का मामला उलझता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री दावा कर रहे हैं कि एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम कट गए हैं। उनके हिसाब से ये जेनुइन मतदाता हैं। उनका यह भी कहना है कि 66 लाख तो ऐसे मतदाताओं के नाम कटे हैं, जिनका नाम स्थानीय निकाय चुनावों की मतदाता सूची में है। मुख्यमंत्री यह भी कह रहे हैं कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना, आवास योजना, किसान सम्मान निधि आदि का लाभ ले रहे 55 लाख लाभार्थियों के नाम कट गए हैं। जिन लोगों के नाम कटे हैं उनमें बड़ी संख्या में महिलाएं हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस पूरे विवाद पर एसआईआर विरोधी पूरा गिरोह खामोश हो गया है। कोई शोर नहीं मचा रहा है। कोई अदालत नहीं जा रहा है। किसी को चिंता नहीं है कि इतने लोगों के नाम काट कर चुनाव कैसे होंगे। चुनाव टालने के लिए कोई अदालत भी नहीं जा रहा है। एसआईआर समर्थक और विरोधी गिरोह की बात छोड़ें तब भी यह क्लासिकल केस है चुनाव आयोग के एसआईआर अभियान की विफलता का। असल में आयोग ने बर्डेन ऑफ प्रूफ आम आदमी पर डाल दिया है। कायदे से यह सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह हर योग्य व्यक्ति को मतदाता बनाए। लेकिन यहां चुनाव आयोग ने लोगों पर जिम्मेदारी डाल दी है कि वे सारे दस्तावेज जुटा कर, फॉर्म भर कर, तस्वीर लेकर आएं और मतदाता बनें। तभी देश की वयस्क आबादी के मुकाबले मतदाताओं की संख्या पांच फीसदी से ज्यादा कम हो गई। उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा और बड़ा है। उत्तर प्रदेश के एसआईआर का मामला ज्यादा विवाद में इसलिए घिरा है क्योंकि 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई मतदाता सूची के मुकाबले दो करोड़ चार लाख नाम कट गए। लेकिन एसआईआर के बाद जारी मतदाता सूची का मिलान अगर पंचायतों और नगर निकायों में इस्तेमाल हुई मतदाता सूची से करें तो इसमें 3.38 करोड़ मतदाता कम हो जाते हैं। यूपी में पिछले पंचायत चुनाव में 12.58 करोड़ मतदाता दर्ज थे। इन ग्रामीण इलाकों में एसआईआर के बाद 10.20 करोड़ मतदाता बचे हैं यानी 2.38 करोड़ मतदाता कम हो गए हैं। ऐसे ही शहरी निकाय चुनावों की मतदाता सूची में 4.32 करोड़ मतदाता थे, जहां अब 3.31 करोड़ मतदाता बचे हैं। यानी शहरी इलाकों में एक करोड़ मतदाता कम हो गए। पंचायत और शहरी निकाय के कुल मतदाता मतदाता 16.90 करोड़ हैं, जबकि एसआईआर के बाद यूपी में कुल मतदाता 13.52 करोड़ बचे हैं। इस तरह आंकड़ा 3.38 करोड़ कम हो जाता है। ध्यान रहे पंचायत व स्थानीय निकायों की मतदाता सूची प्रदेश चुनाव आयोग तैयार कराता है, जबकि विधानसभा और लोकसभा के लिए मतदाता सूची केंद्रीय चुनाव आयोग तैयार कराता है। इसमें इतना बड़ा अंतर चिंता की बात है। बहरहाल, नाम 2.04 करोड़ कम हुए हैं या 3.38 करोड़ कम हुए हैं, बड़ा सवाल तो यह है कि क्या इनके मामले में स्पष्टता लाए बगैर विधानसभा चुनाव होगा? ये आंकड़े चुनाव की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और पवित्रता पर बड़ा सवाल खड़ा करते हैं। अगर केंद्रीय चुनाव आयोग का आंकड़ा सही है तो इसका मतलब है कि पंचायत व शहरी निकायों में भारी संख्या में फर्जी मतदाता जोड़े जाते हैं और उनके नाम पर बोगस वोटिंग होती है। इसलिए चुनाव से पहले इस मामले में स्पष्टता लाने की बहुत जरुरत है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 27 लाख से कुछ ज्यादा लोगों के नाम तार्किक विसंगति के आधार पर काटे गए थे और यह मामला अदालत पहुंचा था तब सुप्रीम कोर्ट के एक माननीय जज ने कहा था कि नाम कट गया तो कोई बात नहीं, एक बार वोट नही डालेंगे तो कुछ नहीं होगा, अगली बार वोट डाल देना। क्या यही बात उत्तर प्रदेश के बारे में भी कही जा सकती है? यह काल्पनिक सवाल है लेकिन अगर मामला अदालत में पहुंचता है और बात आती है कि फरवरी में चुनाव होने है और उससे पहले इतने कम समय में कैसे इतने लोगों के नाम जुड़ेंगे तब क्या अदालत कह सकती है कि कोई बात नहीं, अगली बार वोट डाल देना?

ध्यान रहे यहां आंकड़ों में कोई स्पष्टता नहीं दिखाई दे रही है। असल में कितने नाम कटे हैं यह स्पष्ट नहीं है। जो नाम कटे हैं उसमें शएब्सेंट, शिफ्टेड, डेड एंड डुप्लीकेट्य श्रेणी में कितने नाम कटे हैं और कितने जेनुइन मतदाताओं के नाम कटे हैं यह भी स्पष्ट नहीं है। अगर मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि एक करोड़ 27 लाख हिंदुओं के नाम कटे हैं तो इसका अर्थ है कि बाकी नाम गैर हिंदुओं के हैं। क्या ये नाम मुसलमानों के हैं? लेकिन दूसरी ओर मुख्यमंत्री यह भी कह रहे हैं कि मुसलमानों के वोट 1.63 फीसदी बढ़ गए हैं। फिर हिंदुओं के अलावा जो नाम कटे हैं वो किसके हैं? इस पूरे प्रकरण में हैरान करने वाली बात यह है कि पता नहीं क्यों योगी आदित्यनाथ के अलावा कोई और नेता चिंतित नहीं दिख रहा है। जिस स्केल पर लोगों के नाम कटे होने की बात कही जा रही है उसे देख कर तो लगता है कि भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं को सक्रिय हो जाना चाहिए।

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन



ललित

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। 20 नवंबर को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम "मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य"है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है। सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता–पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं। भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है। इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता–पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता–पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो "हमें क्या लेना–देना है" कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान–विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने–समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चौटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं।

भारत और जापान 2+2 वार्ता बेहद सफल रहा, अब ड्रैगन की मनमानी पर लगेगी लगाम

नीरज

टोक्यो में भारत और जापान के बीच हुई 22 मंत्रिस्तरीय वार्ता ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र की बदलती सामरिक तस्वीर में एक नया संदेश दे दिया है। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग, अत्याधुनिक सैन्य तकनीक, नौसैनिक सुरक्षा और रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाई पर ले जाने का जो संकल्प दिखाया है, वह चीन की बढ़ती सैन्य महत्वाकांक्षाओं के बीच बेहद अहम माना जा रहा है। दुनिया देख रही है कि भारत और जापान अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाली मजबूत रणनीतिक ताकत के रूप में उभर रहे हैं। इस बैठक से साफ हो गया है कि भारत अपनी कूटनीतिक सूझबूझ और सामरिक क्षमता के दम पर हिंद–प्रशांत में अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है और जापान के साथ मिलकर चीन के लिए नई रणनीतिक चुनौतियां खड़ी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि टोक्यो में आयोजित इस बैठक में दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को ठोस परिणामों में बदलने पर जोर दिया। खासतौर पर जापान की अत्याधुनिक तकनीक और भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को एक साथ जोड़ने की रणनीति महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने के तहत रक्षा विनिर्माण सहयोग को गति देने पर सहमति जताई है। इसका अर्थ है कि भारत केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं रहेगा, बल्कि अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों के विकास और उत्पादन में भी बड़ी भूमिका निभाएगा। इस वार्ता का एक बड़ा परिणाम न्छष्ब्ब्छ परियोजना से जुड़े रक्षा समझौतों को जल्द पूरा करने की प्रतिबद्धता है। यह जहाजों पर इस्तेमाल होने वाली एकीकृत संचार एंटीना प्रणाली है। इसके अलावा दोनों देश नौसैनिक जहाजों के डिजाइन और निर्माण, समुद्र के भीतर निगरानी, मिसाइल तकनीक और पानी के नीचे इस्तेमाल होने वाली रक्षा प्रणालियों में सहयोग बढ़ाएंगे। भारत और जापान ने एक–दूसरे के नौसैनिक जहाजों की मरम्मत और रखरखाव की सुविधाओं का इस्तेमाल करने की दिशा में भी तेजी लाने का फैसला किया है। देखा जाये तो समुद्री सुरक्षा के मोर्चे पर यह साझेदारी चीन के लिए विशेष महत्व रखती है। हिंद महासागर से लेकर दक्षिण चीन सागर तक समुद्री व्यापारिक मार्गों पर चीन की बढ़ती सक्रियता लंबे समय से क्षेत्रीय देशों की चिंता का विषय रही है। भारत हिंद महासागर में एक प्रमुख सामरिक शक्ति है, जबकि जापान पूर्वी एशिया और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री क्षमता रखता है। दोनों देशों के बीच समुद्री सूचनाओं का आदान–प्रदान, संतपजपउम क्वउंपद ूतमदमे, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और माइन काउंटरमेजर्स क्षमता बढ़ाने का फैसला एक–दूसरे की सामरिक ताकत को जोड़ने जैसा है। इससे चीन के लिए समुद्री क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को बिना निगरानी के आगे बढ़ाना पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। साथ ही जापानी मीडिया की रिपोर्टिंग में भी इस घटनाक्रम का चीन से जुड़ा रणनीतिक पहलू साफ दिखाई देता है। जापानी समाचार एजेंसी जिजी प्रेस की रिपोर्ट में 22 वार्ता के एजेंडे में चीन और उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर विचार–विमर्श को प्रमुखता दी गई है। वहीं जापान के विदेश मंत्रालय ने मुक्त और खुले हिंद–प्रशांत तथा आर्थिक सुरक्षा को दोनों देशों के सहयोग के महत्वपूर्ण आधार के रूप में रेखांकित किया है। जापानी मीडिया के इस रुख से स्पष्ट है कि टोक्यो भारत को केवल एक बड़े बाजार या आर्थिक



साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि एशिया के सामरिक शक्ति संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले देश के रूप में देख रहा है। साथ ही पश्चिमी मीडिया का विश्लेषण भी इस साझेदारी की अहमियत समझने के लिए महत्वपूर्ण है। पश्चिमी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव, ताइवान के मुद्दे पर टकराव और चीन द्वारा जापान के खिलाफ महत्वपूर्ण खनिजों तथा दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीक के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लेख किया है। ऐसे माहौल में भारत के साथ जापान का रक्षा और तकनीकी सहयोग उसकी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वार्ता के बाद स्पष्ट किया है कि भारत–जापान सहयोग का व्यापक उद्देश्य बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पुरानी रणनीतिक धारणाएं अब बदल रही हैं और देशों को अपनी सुरक्षा तथा वैश्विक हितों के लिए अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यह बयान भारत की बदलती कूटनीतिक सोच को दर्शाता है। दरअसल, भारत किसी एक शक्ति के पीछे खड़ा होने के बजाय अपने हितों के अनुरूप विभिन्न देशों के साथ मजबूत रणनीतिक साझेदारियां विकसित कर रहा है। साथ ही सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत–जापान रक्षा सहयोग अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। जापानी लड़ाकू विमानों की पहली बार भारत में वीर गार्जियन 2026 सैन्य अभ्यास में भागीदारी, रक्षा उद्योग मंच की बैठक और तीनों सेनाओं के संयुक्त अभ्यासों को अधिक व्यापक बनाने की पहल इस साझेदारी को वास्तविक सैन्य क्षमता में बदल रही है। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और जापान 2027 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक पड़ाव से पहले टोक्यो की 22 वार्ता ने दोनों देशों के रिश्तों को एक नई सामरिक दिशा दे दी है। बहरहाल, संदेश बिल्कुल स्पष्ट है। हिंद–प्रशांत में अब शक्ति संतुलन केवल चीन की सैन्य क्षमता से तय नहीं होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, नौसैनिक ताकत, रक्षा उत्पादन क्षमता और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर एक ऐसा रणनीतिक विकल्प तैयार कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी बीजिंग के लिए आसान नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए दुनिया की प्रमुख शक्तियों को भारत के साथ दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी के लिए जोड़ रहा है। टोक्यो की यह बैठक उसी दूरदर्शी कूटनीति का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण है।

नेशनल फार्मेसी वीक 2026- स्वच्छता और जिम्मेदार दवा उपयोग से ही ।डत पर लगेगी रोक - सुनील यादव

फार्मेसी विद्यार्थियों को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के विरुद्ध जन–जागरूकता अभियान का अग्रदूत बनने का आह्वान



आर एल पाण्डेय

लखनऊ, 21 नवंबर 2026। एंटीबायोटिक का अनावश्यक एवं अनियमित उपयोग, संक्रमण की रोकथाम में लापरवाही और दवाओं के प्रति जागरूकता का अभाव आज वैश्विक स्वास्थ्य के सामने गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि अभी से सावधानी नहीं बरती गई तो भविष्य में सामान्य संक्रमण, छोटी सर्जरी, मामूली चोट और सामान्य बीमारियों का उपचार भी अत्यंत कठिन हो सकता है। एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (।डत) केवल चिकित्सा जगत की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। इसके नियंत्रण के लिए स्वच्छता, संक्रमण की रोकथाम, टीकाकरण तथा एंटीमाइक्रोबियल औषधियों के विवेकपूर्ण उपयोग को जन–आंदोलन बनाना आवश्यक है। यह विचार स्टेट फार्मेसी काउंसिल उत्तर प्रदेश के पूर्व चेयरमैन एवं फार्मासिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने नेशनल फार्मेसी वीक 2026 के अवसर पर ज्ब्ब् महाविद्यालय में आयोजित उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि 15 से 21 नवंबर तक मनाए जा रहे 65वें नेशनल फार्मेसी वीक का आयोजन फार्मेसी क्षेत्र की भूमिका को जनस्वास्थ्य से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस वर्ष भारतीय फार्मास्युटिकल एसोसिएशन की थीम "म्उचवूमतपदह चेंतउंबपेजे वित है, जबकि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इसके व्यापक अभियान को "स्वस्थ भारत सुनील यादव ने कहा कि ।डत वह स्थिति है जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी जैसे सूक्ष्मजीवों में बदलाव होने के कारण उन पर प्रभावी रहने वाली दवाएं अपना असर खोने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप संक्रमण का उपचार कठिन, लंबा और महंगा हो सकता है तथा गंभीर मामलों में मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एंटीबायोटिक केवल बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमणों के उपचार में उपयोगी होती हैं, सामान्य वायरल सर्दी–जुकाम और फ्लू में इनका कोई लाभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि चिकित्सक की सलाह के बिना एंटीबायोटिक लेना, निर्धारित खुराक एवं अवधि का पालन न करना, बची हुई दवाओं का दोबारा उपयोग करना, दूसरों की दवाएं लेना और अनावश्यक रूप से एंटीबायोटिक का प्रयोग करना ।डत की समस्या को बढ़ावा देता है। यह भी आवश्यक है कि दवाओं का उचित भंडारण किया जाए और एक्सपायरी तथा गुणवत्ता संबंधी मानकों का पालन हो।

सुनील यादव ने फार्मेसी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि फार्मासिस्ट केवल दवा उपलब्ध कराने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि मरीजों को औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग के प्रति शिक्षित करने वाला महत्वपूर्ण स्वास्थ्यकर्मी है। प्रत्येक फार्मासिस्ट की जिम्मेदारी है कि वह मरीजों को एंटीबायोटिक के सही उपयोग, निर्धारित खुराक, उपचार की अवधि और दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करे। फार्मेसी संस्थानों को भी पोस्टर, स्लोगन, रैली, नुक्कड़ नाटक, क्विज, संगोष्ठी और सोशल मीडिया के माध्यम से ।डत जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि ।डत की रोकथाम में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका है। नियमित हाथ धोना, सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ भोजन, अस्पतालों में संक्रमण नियंत्रण, उचित सैनिटेशन और समय से टीकाकरण संक्रमण की संभावना को कम करते हैं। पशुओं में भी एंटीमाइक्रोबियल औषधियों का अनावश्यक उपयोग रोकना आवश्यक है, क्योंकि मानव, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में जुड़ा हुआ है। औषधियों एवं एंटीमाइक्रोबियल अपशिष्ट का सुरक्षित निस्तारण भी पर्यावरण में प्रतिरोधी सूक्ष्मजीवों के प्रसार को रोकने के लिए जरूरी है।

फार्मासिस्ट फेडरेशन की ओर से आमजन के लिए प्रमुख अपीलरू

1. चिकित्सक की सलाह और वैध नुस्खे के बिना एंटीबायोटिक का सेवन न करें।

2. सर्दी–जुकाम, खांसी एवं वायरल बुखार में स्वयं एंटीबायोटिक न लें।

3. चिकित्सक द्वारा निर्धारित खुराक और उपचार अवधि का पालन करें।

4. बची हुई एंटीबायोटिक दवाओं का दोबारा उपयोग या दूसरों के साथ साझा न करें।

5. नियमित रूप से साबुन से हाथ धोएं तथा व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्वच्छता बनाए रखें।

6. बच्चों और वयस्कों का आवश्यक टीकाकरण समय से कराएं।

7. पशुओं में एंटीबायोटिक का उपयोग केवल पशु चिकित्सक की सलाह पर करें।

8. दवाओं एवं मेडिकल अपशिष्ट का उचित निस्तारण करें।

फार्मासिस्ट फेडरेशन के महामंत्री अशोक कुमार ने कहा कि मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण एक–दूसरे से जुड़े हैं। इसलिए ।डत की चुनौती से निपटने के लिए व्दम भ्मंसजी दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसमें चिकित्सकों, फार्मासिस्टों, पशु चिकित्सकों, नर्सिंग एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ आम नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। फार्मासिस्ट फेडरेशन की साइंटिफिक कमेटी के चेयरमैन प्रोफेसर हरलोकेश ने बताया कि फेडरेशन द्वारा ।डत विषय पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम, जागरूकता गतिविधियां एवं वेबिनार आयोजित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य फार्मेसी विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और आमजन को एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग तथा संक्रमण की रोकथाम के प्रति जागरूक करना है। अंत में सुनील यादव ने कहा कि "आज यदि हम एंटीबायोटिक का दुरुपयोग रोकेंगे, स्वच्छता अपनाएंगे और संक्रमण की रोकथाम को अपनी आदत बनाएंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रभावी दवाओं को सुरक्षित रख सकेंगे। दवाओं को प्रभावी बनाए रखना केवल सरकार या स्वास्थ्यकर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। आइए, स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए ।डत के विरुद्ध मिलकर कदम बढ़ाएं।"

बारात में अनियंत्रित रथ की चपेट में आने से दो लोगों की मौत, मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में बक्शा थाना क्षेत्र के नौपेड़वा हाईवे पर मई मोड़ के पास बधवारेबीर मंदिर के समीप शुक्रवार की रात बारात के दौरान भीषण हादसा हो गया। रथ की चपेट में आने से सजावट का सामान लेकर चल रहे दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद बारात में अफरा–तफरी मच गई। बदलापुर थाना क्षेत्र के देवरिया गांव से शुक्रवार की रात मड़ैया मोहम्मदपुर गांव में रामअवध यादव के यहां बारात आई थी। बारात में डीजे के साथ रथ भी चल रहा था। रात करीब 9 से 9रू30 बजे के बीच रथ मुख्य हाईवे से ढलान की ओर उतर रहा था। इसी दौरान चालक से कथित तौर पर ब्रेक की जगह एक्सीलेटर या क्लच पर पैर पड़ गया, जिससे रथ अनियंत्रित होकर तेज गति से आगे बढ़ गया। इस दौरान रथ के आगे सजावट का सामान लेकर चल रहे गोरियापुर गांव निवासी मुसाफिर और शिवाकांत गौतम उसकी चपेट में आ गए। गंभीर रूप से घायल दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौपेड़वा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बक्शा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित शवगृह भेज दिया। पुलिस रथ और उसके चालक को कब्जे में लेने की कार्रवाई कर रही है। बक्शा थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। हादसे के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है और एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है। एक ही गांव के दो लोगों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है। गांव में शोक की लहर है।

विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह (18 से 24 नवंबर 2026) के अंतर्गत मेडिकल कालेज जौनपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल के दिशा–निर्देशन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डा0 दीपिका शाव द्वारा विश्व एंटीमाइक्रोबियल जागरूकता सप्ताह (18 से 24 नवंबर 2026) के अंतर्गत मेडिकल कालेज जौनपुर में दिनांक 21 नवम्बर, 2026 को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0बी0 कमल ने कहा कि' कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन एवं स्वास्थ्यकर्मियों को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के प्रति जागरूक करना तथा एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश देना है। उन्होंने बताया कि जब बैक्टीरिया, वायरस, फंगस एवं परजीवी जैसे सूक्ष्मजीवों में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है और दवाएं उन पर प्रभावी नहीं रहतीं, तो इस स्थिति को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस कहा जाता है। एंटीबायोटिक दवाओं का गलत अथवा अनावश्यक उपयोग इस समस्या को बढ़ावा देता है। इसके कारण सामान्य संक्रमणों का उपचार भी कठिन हो सकता है।

रोगाणुरोधी प्रतिरोध खतरनाक क्यों है?

सामान्य संक्रमणों का इलाज मुश्किल हो जाता है।

प्रभावी एंटीबायोटिक दवाओं के विकल्प कम हो जाते हैं।

अस्पताल में भर्ती और उपचार की अवधि बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य देखभाल का खर्च बढ़ता है।

गंभीर संक्रमणों और मृत्यु का खतरा बढ़ सकता है।

बचाव के लिए क्या करें?

बिना डाक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक सेवन न करें।

ध्डाक्टर द्वारा बताई गई खुराक और अवधि का पालन करें।

नियमित हाथ धोने से संक्रमण फैलने का खतरा कम होता है।

टीकाकरण करवाएं।

कल्चर और एंटीबायोटिक सेंसिटिविटी टेस्ट को महत्व दें।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो0 (डा0) ए0ए0 जाफरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज विश्वभर में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक एवं अनुचित उपयोग इसके प्रमुख कारणों में से एक है। हमारी जिम्मेदारी है कि एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय आवश्यकता एवं निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार करें। सभी विभागाध्यक्ष एवं चिकित्सक अपने–अपने विभागों में एंटीबायोटिक के विवेकपूर्ण उपयोग, कल्चर एवं सेंसिटिविटी जांच तथा संक्रमण नियंत्रण पर विशेष ध्यान दें। हमें एंटीबायोटिक दवाओं की प्रभावशीलता भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी बनाए रखनी है। । ।डत को रोकना सभी चिकित्सा कर्मियों का सामूहिक सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 विनोद वर्मा, डा0 हमजा अंसारी, डा0 अनिल कुमार, डा0 प्रियंका सिंह, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 पंकज कुमार, डा0 अन्नपूर्णना, डा0 सौरभ, डा0 जयेश एवं अन्य चिकित्सकगण व कर्मचारी उपस्थित रहें।

क्लासिक लीजेंड्स ने जावा, येज़्दी और बीएसए को नई पीढ़ी के लिए फिर से जीवित किया

आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मोटरसाइकिलों की दुनिया में बहुत कम ऐसे नाम हैं, जो जावा, येज़्दी और बीएसए जैसी पहचान और भावनात्मक जुड़ाव रखते हैं। क्लासिक लीजेंड्स ने इन तीन प्रतिष्ठित ब्रांड्स को नई पीढ़ी के लिए फिर से जीवित किया है, आज ये तीनों ब्रांड डिजाइन, खास पहचान, परफॉर्मेंस और राइडर की व्यक्तिगत पसंद के आधार पर मॉडर्न क्लासिक मोटरसाइकिल का एक अलग व्यवसाय खड़ा कर रहे हैं। अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच, जावा येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स ने पिछले वर्ष की तुलना में भारत में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। अंतर्राष्ट्रीय बिक्री को शामिल करने पर व्यवसाय में 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अपनी बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ, कंपनी अब विकास के अपने अगले चरण की तैयारी कर रही है। जावा, येज़्दी और बीएसए के पीछे की महिंद्रा समूह की कंपनी, क्लासिक लीजेंड्स ने इन तीनों प्रतिष्ठित ब्रांडों के माध्यम से मॉडर्न क्लासिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में एक विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराई है। युवा उपभोक्ता तेजी से इस मिड–कैपेसिटी श्रेणी की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो एंट्री–लेवल कम्यूटर मोटरसाइकिलों की तुलना में इसके डिजाइन–आधारित उत्पादों, विशिष्ट पहचान और परफॉर्मेंस क्षमताओं से प्रभावित हैं। सत्तर के दशक में, जावा और येज़्दी ने भारत के युवाओं की कल्पना को पंख दिए थे और वे विशिष्ट पहचान, स्वतंत्रता और मोटरसाइकिलिंग संस्कृति के प्रतीक बन गए थे। हालांकि, अस्सी और नब्बे के दशक में बाजार में काफी बदलाव आया, जिससे उन ब्रांडों के लिए नई चुनौतियां पैदा हुईं जो भारतीय राइडर्स की पीढ़ियों के बीच मजबूत यादें संजोए हुए हैं।मूल ब्रांडों के सामने आई चुनौतियां रू नब्बे के दशक के दौरान, स्थानीय साझेदारियों के माध्यम से भारत में जापानी



निर्माताओं के विस्तार के साथ प्रतिस्पर्धा तेज हो गई। उनकी हल्की और अधिक माइलेज देने वाली मोटरसाइकिलों ने उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं और व्यापक दोपहिया बाजार को नया रूप देना शुरू कर दिया। इसी समय, उत्तरोत्तर सख्त होते उत्सर्जन नियमों ने टू–स्ट्रोक तकनीक को बनाए रखना बेहद कठिन बना दिया। इन बदलावों ने येज़्दी पर काफी दबाव डाला और अंततः इस ब्रांड की यात्रा के शुरुआती अध्याय को बंद करना पड़ा। पुनरुत्थानरू जबरदस्त प्रतिक्रिया से लेकर पुनर्निर्माण की चुनौती तक रू पुनरुत्थान की शुरुआत 2018 में हुई, जब सह–संस्थापकों अनुपम थरेजा और बोमन रुस्तम ईरानी के नेतृत्व में क्लासिक लीजेंड्स ने महिंद्रा समूह के निवेश के साथ जावा को भारत में वापस लाया। इस पर मिली प्रतिक्रिया असाधारण थी। जावा को एक ही दिन में 1,00,000 से अधिक बुकिंग प्राप्त हुईं, जबकि ऑनलाइन ट्रैफिक में अभूतपूर्व उछाल के कारण कंपनी की वेबसाइट लगभग ठप हो गई थी। क्लासिक लीजेंड्स ने मांग को पूरा करने के लिए तेजी से अपने डीलरशिप नेटवर्क का निर्माण किया और उत्पादन बढ़ाया। शुरुआती उत्साह ने यह साबित कर दिया कि जावा ने अपनी भावनात्मक अपील बिल्कुल भी नहीं खोई थी। भारतीयों की पीढ़ियों को अब भी यह ब्रांड याद था और एक नई पीढ़ी इसे अनुभव करने के लिए उत्सुक थी। आगे का कार्य उस पुरानी यादों और शुरुआती मांग को एक स्थायी व्यवसाय में बदलना था, जिसे विशिष्ट उत्पादों, परफॉर्मेंस इंजीनियरिंग, एक भरोसेमंद डीलरशिप नेटवर्क और बिक्री के बाद की सेवा का समर्थन प्राप्त हो। कंपनी अभी अपने परिचालन को मजबूत कर ही रही थी कि कोविड–19 महामारी ने दस्तक दे दी। पुनरुत्थान के शुरुआती चरण में ही मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन, सप्लाई चेन, डीलरशिप और बिक्री बाधित हो गई। प्रतिष्ठित ब्रांडों को फिर से स्थापित करने के लिए काम कर रहे एक युवा मोटरसाइकिल व्यवसाय के लिए, महामारी अतिरिक्त चुनौतियां लेकर आई। उत्पादन और वितरण प्रभावित हुए, और कंपनी को पुर्जों की सोर्सिंग करने और ग्राहकों को डिलीवरी की निरंतरता बनाए रखने की कठिनाइयों से जूझना पड़ा। व्यवसाय का विस्तारारू तीन ब्रांड, बढ़ती पहुंच रू कोविड–19 महामारी के बाद जैसे ही संचालन फिर से शुरू हुआ, क्लासिक लीजेंड्स ने अपने उत्पादों, इंजीनियरिंग, वितरण और ओनरशिप इकोसिस्टम को मजबूत करना जारी रखा। कंपनी के रिटेल नेटवर्क का भी लगातार विस्तार होने लगा। मार्च 2019 में 77 शहरों में 85 डीलरशिप से शुरू हुआ नेटवर्क 2026 तक पूरे भारत में 450 से अधिक सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स टचपॉइंट तक पहुंच गया, जिससे ग्राहकों के लिए, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में पहुंच मजबूत हुई। 2022 में, क्लासिक लीजेंड्स ने येज़्दी को भारतीय सड़कों पर वापस लाया, जिससे इसके पोर्टफोलियो में एक और विशिष्ट रूप से भारतीय मोटरसाइकिलिंग ब्रांड जुड़ गया। येज़्दी स्क्रैम्बलर के साथ, कंपनी बड़े पैमाने पर भारतीय राइडर्स के लिए आधुनिक स्क्रैम्बलर प्रारूप पेश करने वाले शुरुआती ब्रांडों में से एक थी, जो व्यापक दर्शकों के लिए एक विशिष्ट नया प्रारूप लेकर आई। क्लासिक लीजेंड्स अब एक मल्टी–ब्रांड मोटरसाइकिल व्यवसाय का निर्माण कर रहा था, जिसमें प्रत्येक ब्रांड की अपनी अलग पहचान और आकर्षण था। जावा ने समकालीन मोटरसाइकिलिंग में सदाबहार डिजाइन, शिल्प कौशल और सुलभ विशिष्टता लाई, जबकि येज़्दी ने एडवेंचर, खोज और राइडिंग समुदायों से आकार लेने वाली एक चौलेंजर भावना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 में इस पोर्टफोलियो का और विस्तार हुआ, जब बीएसए ने गोल्ड स्टार 650 के साथ भारत में प्रवेश किया, जिससे कंपनी के मॉडर्न क्लासिक पोर्टफोलियो में प्रामाणिक ब्रिटिश डिजाइन, शिल्प कौशल और परफॉर्मेंस जुड़ गया। 2018 में जावा की वापसी से शुरू हुआ सफर अब तीन ब्रांड्स वाले मोटरसाइकिल व्यवसाय में बदल चुका था। इसमें विभिन्न क्षमताओं, राइडिंग प्राथमिकताओं और बाजारों को ध्यान में रखा गया है। वित्त वर्ष 2026 में क्लासिक लीजेंड्स पहली बार मुनाफे में आई। यह कंपनी के एक टिकाऊ मल्टी–ब्रांड मोटरसाइकिल कारोबार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। प्रमुख व्यावसायिक उपलब्धियां जावा येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में लगभग 125: की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो निरंतर व्यावसायिक गति और बढ़ती ग्राहक मांग को दर्शाती है। अंतर्राष्ट्रीय बिक्री को शामिल करते हुए, वित्त वर्ष 2026 में व्यवसाय में 55: की वृद्धि हुई। जावा येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक देशभर में अपने टचपॉइंट्स की संख्या बढ़ाकर 700 करना है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने केरल में एक ही चरण में 20 से अधिक नए टचपॉइंट्स जोड़े। इसके साथ ही देशभर में कंपनी का नेटवर्क 450 से अधिक टचपॉइंट तक पहुंच गया, जिससे विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में कंपनी की रिटेल उपस्थिति और ग्राहकों की पहुंच मजबूत हुई है। जावा, येज़्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स बिक्री के बाद की सेवाओं को बेहतर बनाने और असली स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अपने देशव्यापी अधिकृत स्पेयर पार्ट्स वितरण नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। इस पहल के तहत कंपनी के प्राथमिक डीलरशिप नेटवर्क के अलावा भी ग्राहकों, सर्विस पार्टनर्स और स्वतंत्र वर्कशॉप तक असली कलपुर्जे उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे ग्राहकों के लिए सेवा दक्षता और सुविधा बढ़ाने में मदद मिलेगी। नया विस्तारारू वित्त वर्ष 2027 के लिए चार नए मॉडल की योजना क्लासिक लीजेंड्स वित्त वर्ष 2027 में चार नए मोटरसाइकिल मॉडल पेश करने की तैयारी कर रही है। ये लॉन्च जावा येज़्दी और बीएसए की विशिष्ट पहचान को और आगे बढ़ाएंगे, साथ ही भारत के बढ़ते मिड–कैपेसिटी और लाइफस्टाइल मोटरसाइकिल सेगमेंट में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करेंगे।

उम्मीद है कि ये नए मॉडल जावा, येज़्दी और बीएसए की गति को और बढ़ावा देंगे, साथ ही भारत के बढ़ते मिड–कैपेसिटी और लाइफस्टाइल मोटरसाइकिल सेगमेंट में कंपनी की उपस्थिति को मजबूत करेंगे। जावा की वापसी को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से लेकर येज़्दी और बीएसए के उत्पादों तथा बाजारों में विस्तार तक, क्लासिक लीजेंड्स ने तीन प्रतिष्ठित नामों को आधुनिक मोटरसाइकिल ब्रांड्स में बदल दिया है। कंपनी का आगे का सफर केवल विरासत और पुरानी पहचान पर निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि नए उत्पादों, बेहतर इंजीनियरिंग, ग्राहकों तक बढ़ती पहुंच और भारत से वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने वाले मोटरसाइकिल ब्रांड्स खड़े करने की महत्वाकांक्षा से संचालित होगा।

कबड्डी में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम बनी चौंपियन, खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को दी सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता की सौगात

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय पूर्वी क्षेत्र अंतर–विश्वविद्यालयीय पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता में मेजबान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टीम ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर छह अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार युवाओं को खेल से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में पहली बार समग्र खेल नीति बनाई गई है, जिसके तहत प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता देने के साथ सरकारी नौकरी के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विकासखंड में खेल मैदान विकसित कर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेल मंत्री ने कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के खेलों के प्रति सक्रिय प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को ओलंपिक और पैरा ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए विश्वविद्यालय में नशामुक्ति अभियान चलाने पर भी जोर दिया। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की चौंपियनशिप केवल खेल की जीत नहीं, बल्कि सच्ची खेल भावना की जीत है। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, खेल भावना और टीमवर्क के माध्यम से विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के लगभग साढ़े तीन लाख विद्यार्थी विभिन्न खेल गतिविधियों से जुड़े हैं। विशेष अतिथि अवकाश प्राप्त भारतीय वायुसेना कमांडर राजेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में खेल परिषद अध्यक्ष प्रो. सुधाकर सिंह ने स्वागत किया। सचिव प्रो. शेखर सिंह ने प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया। ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी पर्यवेक्षक नरेश कुमार ने आयोजन की सराहना की। संचालन डॉ. राजेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने किया।

इनसेट– तीनों मुकाबले जीतकर बना चौंपियन

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने एलएमएम विश्वविद्यालय दरभंगा को 23–21, एमएसडी विश्वविद्यालय आजमगढ़ को 34–25 और केआईआईटी विश्वविद्यालय भुवनेश्वर को 30–23 अंकों से हराया। केआईआईटी विश्वविद्यालय दूसरे, एलएमएम विश्वविद्यालय दरभंगा तीसरे और एमएसडी विश्वविद्यालय आजमगढ़ चौथे स्थान पर रहा।

'कोतवाली पाली को मिलेगा आधुनिक स्वरूप, निर्माण के लिए शासन ने जारी की पहली किस्त'



'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'सवायजपुर, (हरदोई)' विधानसभा क्षेत्र सवायजपुर में विकास कार्यों को गति देने के क्रम में कोतवाली पाली के नवीन प्रशासनिक एवं आवासीय भवनों के निर्माण के लिए शासन ने बजट स्वीकृत करते हुए पहली किस्त जारी कर दी है। इससे कोतवाली पाली को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए स्वरूप में विकसित करने का रास्ता साफ हो गया है। क्षेत्रीय विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू भैया' के प्रयासों से कोतवाली पाली के प्रशासनिक भवन निर्माण के लिए 969.14 लाख रुपये तथा आवासीय भवन निर्माण के लिए 541.33 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रशासनिक भवन के लिए प्रथम किस्त के रूप में 4 करोड़ 84 लाख 57 हजार रुपये तथा आवासीय भवन के लिए 2 करोड़ 70 लाख 66 हजार रुपये जारी किए गए हैं। इससे पहले कोतवाली सवायजपुर और हरपालपुर के भवनों के विकास की दिशा में पहल की गई थी। अब कोतवाली पाली के लिए भी बजट जारी होने से क्षेत्र में पुलिस प्रशासन की आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद जगी है। नए भवनों के निर्माण से पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण और नागरिकों को सुविधाजनक व्यवस्था मिल सकेगी। इस उपलब्धि पर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह 'रानू भैया' ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नवनिर्माण की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है और जल्द ही उसके निर्माण के लिए बजट जारी होने की उम्मीद है। विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े निर्माण कार्यों की पहल को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग की प्रतियोगिता में दिव्या शुक्ला ने हासिल किया प्रथम स्थान



अयोध्या।युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग–2026 के अंतर्गत पीपीटी चरण की प्रतियोगिता आयोजित की गई।इसमें प्रतिभागियों ने श्जनसांख्यिकी लाभांश एवं मानव पूंजी विकासश विषय पर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मंडल ने किया।इसमें डॉ. असीम त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग, साकेत पीजी कॉलेज, डॉ. सविता ओझा, डीन बिजनेस मैनेजमेंट, रामायण यूनिवर्सिटी तथा डॉ. विशाल कुमार श्रीवास्तव, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग शामिल रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का सूक्ष्मता से मूल्यांकन किया।घोषित परिणामों में दिव्या शुक्ला ने प्रथम, जीनत ने द्वितीय और हर्ष सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा कल्याण अधिकारी के नेतृत्व में किया गया, जबकि संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी मवई ललित तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

25 नवंबर से 15 दिसंबर तक नाका हनुमानगढ़ी मार्ग पर आवागमन रहेगा प्रतिबंधित,वैकल्पिक मार्ग से गुजरेंगे वाहन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में सड़क निर्माण कार्य के चलते 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक नाका हनुमानगढ़ी मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान यात्रियों, श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को वैकल्पिक मार्गों से आवागमन करना होगा।अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग अयोध्या ने बताया कि उतरौला–फैजाबाद–इलाहाबाद मार्ग पर चौक से नाका बाईपास तक तथा चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग के संयुक्त हिस्से नाका हनुमानगढ़ी पर सीसी सड़क का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।निर्माण कार्य के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना से बचाव और सुरक्षा के मद्देनजर 25 नवंबर 2026 से 15 दिसंबर 2026 तक उक्त मार्ग पर यातायात प्रतिबंधित रहेगा।उन्होंने बताया कि इस अवधि में जनौरा की ओर से आने वाले वाहन कृष्णानगर मोड़ (आरा मशीन), गुलाब नगर होते हुए चुंगी तिराहे से होकर गुजरेंगे।वहीं मकबरा की ओर से आने वाले वाहन रामनगर, पहाड़गंज होते हुए चुंगी तिराहे से आवागमन करेंगे।लोक निर्माण विभाग ने समस्त यात्रियों,श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें, जिससे यातायात सुचारु बना रहे और किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सुरक्षा पखवाड़ा बेअसर,शहर के प्रमुख चौराहों पर जाम से जूझ रहे लोग

अयोध्या। जिले में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है, लेकिन इसका असर सड़कों पर दिखाई नहीं दे रहा है।अभियान के नाम पर यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस कुछ प्रमुख चौराहों पर वाहन चेकिंग कर चालान काटने तक सीमित नजर आ रही हैवहीं दूसरी ओर शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर लगने वाले जाम से आम नागरिकों को राहत नहीं मिल पा रही है।देवकाली बाईपास, रायबरेली मार्ग,नाका बाईपास सहित शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर आए दिन घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। हैरानी की बात यह है कि कई प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिसकर्मियों की मौजूदगी भी नहीं दिखाई देती, जिसके चलते यातायात व्यवस्था बेपटरी रहती है और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले सड़क सुरक्षा पखवाड़ा और यातायात माह के दौरान पुलिस की ओर से जागरूकता रैलियां निकाली जाती थीं। स्कूल–कॉलेजों में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जाता था, लेकिन अब ऐसे कार्यक्रम भी नजर नहीं आते। लोगों का आरोप है कि अभियान केवल वाहन चेकिंग और चालान तक सिमटकर रह गया है।कुल मिलाकर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा जमीनी स्तर पर प्रभावी होता नहीं दिख रहा है। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही शहर को जाम से निजात दिलाना भी इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए।ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब प्रमुख चौराहों पर ही यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं है तो सड़क सुरक्षा पखवाड़े का वास्तविक लाभ आम जनता को कैसे मिलेगा?

'जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील सवायजपुर में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' शनिवार को तहसील सवायजपुर में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निस्तारित किया जाए तथा अन्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारी स्थलीय जांच कर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण में विशेष गंभीरता बरतने के निर्देश देते हुए मेड़बंदी, चकरोड एवं चकरोड पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों पर राजस्व एवं संबंधित विभागों की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जांच कराने तथा चकरोडों को कब्जामुक्त कराने की सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक रास्तों एवं चकरोडों पर अवैध कब्जे की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए नियमानुसार कार्यवाहीकी जाए। विकास विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने जिला विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर शिकायतों का स्थलीय सत्यापन करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायतकर्ता को संतुष्टिपरक समाधान उपलब्ध कराया जाए। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुनते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता बरती जाए तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सवायजपुर, जिला विकास अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक



(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज–6.0 अभियान के तहत जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी टीम के साथ गुलाबबाड़ी पहुंचकर महिलाओं और बालिकाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी।इस दौरान महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला एवं पीआरडी माधुरी ने महिलाओं और बालिकाओं को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याण कारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।साथ ही साथ उन्होंने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के प्रति जागरूक करते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया।महिला थानाध्यक्ष ने महिला अपराधों की जानकारी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में महिलाएं और बालिकाएं चुप न रहें, बल्कि तत्काल पुलिस की सहायता लें। उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि विमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 पर संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख मूंदकर भरोसा न करने तथा मुसीबत के समय तत्काल सहायता लेने की अपील की। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर बनाना है।

29 नवंबर को होगा होमगार्ड जवानों का फायरिंग अभ्यास

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डिवीजनल ट्रेनिंग सेंटर होमगार्ड्स अयोध्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 50 होमगार्ड जवानों का फायरिंग अभ्यास 29 नवंबर 2026 को ईटीआर फायरिंग रेंज, डोगरा रेजीमेंट सेंटर अयोध्या में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए डिवीजनल कमांडेंट सुनील कुमार ने बताया कि निर्धारित तिथि पर जवानों का फायरिंग अभ्यास कराया जाना है।इसके मद्देनजर फायरिंग रेंज के आसपास रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है।उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील किया है कि 29 नवंबर को ईटीआर फायरिंग रेंज, डोगरा रेजीमेंट सेंटर अयोध्या के आसपास कोई भी व्यक्ति या जानवर न जाए।फायरिंग अभ्यास के दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत क्षेत्र में अनावश्यक आवागमन से बचें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की आशंका न रहे।

पंचकोसी परिक्रमा से लौट रहे टोल प्लाजा के असिस्टेंट मैनेजर समेत दो की मौत

अयोध्या।पंचकोसी परिक्रमा से लौट रहे बाइक सवार टोल प्लाजा के असिस्टेंट मैनेजर गंगाराम यादव समेत दो लोगों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।अयोध्या कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के बूथ नंबर चार के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी।जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक मृतक गंगाराम यादव कन्नौज के निवासी थे,जबकि दूसरे मृतक तहसीनपुर,रौनाही के रहने वाले थे।पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

यूजीसी समाधान मोर्चा का हुआ गठन



ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एक हाल में वरिष्ठ नागरिकों एवं अधिवक्ताओं ने यूजीसी द्वारा प्रस्तावित यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके दौरान सभी सहभागियों ने अपने विचार रखे और इस प्रस्तावित रेगुलेशन का सर्व सम्मति से विरोध किया गया तथा इसके विरोध में एक निंदा प्रस्ताव भी पारित किया गया। इस अवसर पर यह सुनिश्चित किया गया कि इस नियम को वापस लेने के लिए एक अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए एक संगठन बनाना आवश्यक है। यह संगठन अपनी मांगों को लेकर शांति पूर्ण तरीके से लगातार संघर्ष जारी रखेगा। आज की बैठक में संगठन की मूल इकाई का निर्माण करते हुए संगठन का नाम यूजीसी समाधान मोर्चा रखा गया। इस दौरान धर्म रक्षा आंदोलन के संयोजक चंद्र मणि पांडेय को मोर्चा का अध्यक्ष चुना गया । अन्य पदाधिकारियों में महामंत्री योगेश कुमार द्विवेदी एड., उपाध्यक्ष राम नगीना यादव, कोषाध्यक्ष सूर्य भूषण तिवारी एड,, एवं सचिव शैलेन्द्र कुमार प्रजापति को चुना गया। अंत में सार्वजनिक रूप से यह निर्णय लिया गया कि यह संविधान विरोधी एवं समाज विरोधी कानून खत्म होने तक लड़ाई लड़ी जाएगी। जब तक यह कानून वापस नहीं होगा तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

जिलाधिकारी ने रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव को विशेष नोडल अधिकारी नामित किया



ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी के निर्देशों एवं शासनादेश के अनुपालन में जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वयं गणना कार्यक्रम को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के उद्देश्य से जनपद में विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार, 24 नवंबर को स्वास्थ्य दिवस के रूप में निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी द्वारा इस विशेष अभियान के लिए इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, शाखा शाहजहाँपुर के सचिव डॉ विजय जौहरी को विशेष नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

रेडक्रॉस सचिव डॉ विजय जौहरी ने बताया कि इस जिम्मेदारी के अंतर्गत सोसाइटी स्वयं गणना के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों के बीच समन्वय स्थापित करने तथा अधिकाधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कराने में सक्रिय भूमिका निभाएगी। अभियान का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य विभाग तक सीमित न रहकर समाज के प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक परिवार और प्रत्येक नागरिक तक स्वयं गणना का संदेश पहुंचाना है। डॉ जौहरी ने जनपद के समस्त सरकारी एवं गैर–सरकारी चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं यूनानी चिकित्सकों, योगाचार्यों, योग प्रशिक्षकों, आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं, मेडिकल स्टोर संचालकों, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एवं दवा प्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारिक संगठनों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं तथा समाज के प्रबुद्ध नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे अपने–अपने कार्यक्षेत्र, परिवार एवं संपर्क समूहों में स्वयं गणना के प्रति जागरूकता फैलाएं।

डॉ विजय जौहरी ने कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण से जुड़ा महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है। प्रत्येक निवासी अपने मोबाइल फोन के माध्यम से स्वयं गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकता है। सभी नागरिक स्वयं गणना पूर्ण करने के साथ अपने परिवार, परिचितों एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से सहयोग का आश्वासन रेड क्रॉस सचिव डॉ जौहरी ने बताया कि विशेष स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 24 नवंबर को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी का कार्यालय भी खुला रहेगा। स्वयं गणना से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, मार्गदर्शन अथवा सहयोग की आवश्यकता होने पर कोई भी व्यक्ति, संस्था या संगठन रेड क्रॉस कार्यालय से संपर्क कर सकता है। सोसाइटी की ओर से अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक सहयोग एवं समन्वय प्रदान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनपद के सभी विभागों, चिकित्सा संगठनों, सामाजिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से यह अभियान जनपदव्यापी जनसहभागिता अभियान बनेगा। रेड क्रॉस सोसाइटी सभी के सहयोग से स्वयं गणना का संदेश घर–घर तक पहुंचाने तथा जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन में अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेगी।

धान खरीद में लापरवाही पर डीएम सख्त, एक किसान से सिर्फ 10 क्विंटल खरीद पर जताई नाराजगी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। किसानों को उनकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने और धान खरीद व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के साथ बक्शा विकासखंड के बी–पैक्स चुरामनपुर धान क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान खरीद की बेहद धीमी प्रगति सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और केंद्र प्रभारी सहित पीसीएफ के जिला प्रबंधक से स्पष्टीकरण तलब करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान क्रय केंद्र पर धान खरीद के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी पाई गईं, लेकिन अब तक केवल एक किसान से 10 क्विंटल धान की खरीद की गई थी। खरीद की इस धीमी रफ्तार को शासन की मंशा के विपरीत मानते हुए जिलाधिकारी ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को संबंधित केंद्र प्रभारी और पीसीएफ के जिला प्रबंधक से तत्काल स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि धान खरीद में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी केंद्र प्रभारी किसानों से लगातार संपर्क बनाए रखें और निर्धारित समय पर केंद्रों पर उपस्थित होकर शासन की क्रय नीति के अनुरूप खरीद सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि खरीद कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, धान बिक्री के लिए अब तक 4,492 किसानों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 2,431 किसानों का सत्यापन पूरा हो चुका है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपना धान सरकारी क्रय केंद्रों पर ही बेचें। इसके लिए खाद्य विभाग की वेबसाइट बि.नच.हवअ.पद पर ऑनलाइन पंजीकरण कराएं। पंजीकरण अथवा खरीद संबंधी किसी समस्या के समाधान के लिए जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय के कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05452–350857 पर संपर्क किया जा सकता है।

समाधान दिवस में डीएम ने सुनीं फरियादियों की शिकायतें, 81 में नौ मामलों का मौके पर निस्तारण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की बदलापुर तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। समाधान दिवस में भूमि विवाद, पैमाइश, अवैध कब्जे, अतिक्रमण और राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। ग्राम सहनपुर, थाना रामपुर, तहसील मड़ियाहूं निवासी विजय सिंह ने अवैध अतिक्रमण और पक्के निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया। इस पर जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, केरारकोट पोस्ट सदर निवासी अजय कुमार सोनी ने जमीन पर कब्जे की शिकायत की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद से जुड़े मामलों में संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर जांच करें और विवादों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय सीमा में किया जाए। किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का भी गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा न्यायालयों के आदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 81 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से नौ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम, उपजिलाधिकारी बदलापुर, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं तहसील स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।



सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।